केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

रविवार, १६ जुलाई, २०२३ | समय : दोपहर २.०० से ५.०० | कुल गुण : १००

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (८)	
	४ (९)	
	५ (५)	
	६ (६)	
	७ (८)	
	विभाग-१, कुल गुण (५१)	

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	८ (९)	
	९ (५)	
	१० (९)	
	११ (८)	
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (४९)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है। उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी। **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी। पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी। **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें। **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें। पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है। **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है। अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है। **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा। **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन!!! परिणाम नहीं मिलेगा!!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम	प्र - २ गुण - ६		नाम

प्रवीण - २

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''हम जानते हैं कि तुम बहुत भावुक हो।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''लाईये हमें दे दीजिए, आपने कभी ऐसा काम नहीं किया है।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''रोज़ तो जल्दी आ जाते हो, आज कहाँ रुके रहे ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ६)

१. 'महाबळवंत माया तमारी.....' फगुआ की रचना किसने की ? गुण : १

.....

२. गोपालानंद स्वामी ने ध्यान के कितने और कौन-कौन से प्रकार बताए हैं ? गुण : १

.....

३. श्रीजीमहाराज किस से पर हैं ? गुण : १

.....

४. नंद राजा ने क्या एकत्रित किया ? वो किसका कारण बना ? गुण : १

.....

५. मानकूवा में कौन से दो मुमुक्षु रहते थे ? गुण : १

.....

६. शास्त्र किस का विवेक देता है ? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. जेठा मेर **अथवा** २. राजाभाई

(   ) ....

गुण : ४	

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ८		नाम

३. संप्रदाय के तीर्थस्थान **अथवा** ४. साधु

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ९		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. इसी जन्म में उत्तम भक्त हो सकते हैं।

२. कृपानंद स्वामी ने अपनी वेदना महाराज को कहने से मना कर दिया।

३. खोखरा में परमहंसों को मारने के लिए आए हुए बाबा भाग खड़े हुए।

४. महाराज और संत मछियाव से बिना भोजन किए ही लौट पड़े।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५		नाम

प्र. ५ भगवान जीवों के गुनाहों.... - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : अद्‌भुतानंद स्वामी

१. संवत् १९३९ में गुरुहरि शास्त्रीजी महाराज ने दीक्षा ली।

२. कल्याणदास को भगवान स्वामिनारायण का दर्शन सर्वप्रथम भूज में हुआ था।

३. उनके पिता संघा पटेल से सत्संग विरासत में मिला था।

४. महाराज की आज्ञा शिरोधार्य करके धोलेरा मंदिर के महंत बने।

५. महाराज का पत्र पढ़कर मामा अजा पटेल निराश हो गए।

६. जेतलपुर में रामदास स्वामी से मिलकर पैदल ही सीधे भुज आ पहुँचे।

७. दूसरे किसी से न हो सके ऐसा अद्‌भुत कार्य तुमने किया है।

८. अद्‌भुतानंद स्वामी के तीन भाई साधु हुए।

९. कल्याणदास की सगाई मेथाण गाँव में की गई।

१०. योगीजी महाराज ने अद्‌भुतानंद स्वामी की सेवा का लाभ भी लिया था।

११. वारणा गाँव में संकटभंजन गणपतिजी की मूर्ति प्रतिष्ठित की थी।

१२. उनका जन्म गुजरात राज्य के सुरेन्द्रनगर जिले के कडु गाँव में हुआ था।

(१) केवल सही क्रमांक : | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम : | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे।
(२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ८		नाम

प्र. ७ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम्/कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री वासुदेवाय नमः ..... ॐ श्री कृष्णाय नमः। **अथवा**
सहजानंद नामावलि : ॐ श्री साकाराय नमः ..... ॐ श्री अनंतमुक्त-पूजिताय नमः॥

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ |

२. वहाला तारे जमणे .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... प्रवीण छे रे लोल। गुण : २ |

३. कामार्त-तस्कर .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... शरणं प्रपद्ये॥ गुण : २ |

४. ब्रह्मभूतः प्रसन्नात्मा ..... लभते पराम्॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ९		नाम	प्र - ९ गुण - ५		नाम

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''लेकिन यह बताईए कि आप अपना घर जलाकर आए हैं?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''यह तो आप लोगों ने उनके बाह्य गुणों को बतलाया, परन्तु वे अत्यन्त ही समर्थ साधु है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''भविष्य में वे मेरी महिमा का विस्तार करेंगे।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.९ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. नाजा जोगिया कब साधु हुए? गुण : १

.....

२. गढ़पुर में मंदिर नहीं था तब संतगण कहाँ सो जाते थे? गुण : १

.....

३. वस्ता कमरे के अंदर क्या करने लगा? गुण : १

.....

४. परमहंसों आपस में एक-दूसरे के प्रति जमानत दे रहे थे तब वहाँ कौन पधारे? गुण : १

.....

५. सुखदेव दवे के घर किसका जन्म हुआ? गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ९)

१. प्रागजी भक्त ने स्वामीजी की आज्ञा शिरोधार्य कर ली।

२. करसन बांभणिया की आँखें भर आईं।

३. स्वामीजी ने जसा भगत से थोडा अनाज और कोरा कपड़ा मंगाया।

४. गुणातीतानंद स्वामी ने कहा, ''गंगा उल्टी नहीं बहती!''

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ९		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ३ |

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ८)

१. जूनागढ़ मंदिर के महंत पद पर २. वेदांतियों की पराजय ३. तुलसी दवे को समाधि

(   ) ....

गुण : ४	

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ११ गुण – ८		नाम

(   ) ....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक

केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए।
(बारह पंक्तियों में) (कुल गुण : ४)

१. क्षमाशील　　२. संतों को शिक्षा

(　　) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ : .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें।
(कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. सोरठ का सत्संग — गुण : २ ☐

(१) ☐ भावपूर्वक सत्पुरुष में चित को डुबोया नहीं।

(२) ☐ दरबारो ने उनकी माँग पर थोड़ा भी ध्यान न दिया।

(३) ☐ सत्संगी आपको क्या नहीं अर्पण कर सकता!

(४) ☐ मैं सिर्फ़ उनका दास हूँ

२. गुणातीतानंद स्वामी ने गोंडल में कहाँ कहाँ पधरावनी की? — गुण : २ ☐

(१) ☐ पंचाळा के अभयसिंहबापू के महल में

(२) ☐ लोधिका के अभयसिंहबापू के महल में

(३) ☐ गोंडल नरेश के नवलखा महल में

(४) ☐ माधवजी दवे के घर

३. बाजारु काँटे — गुण : २ ☐

(१) ☐ सारंगपुर के वाघजीभाई

(२) ☐ लोधिका के जेठा खाचर

(३) ☐ गढ़डा के अभेसिंहजी दरबार

(४) ☐ सारंगपुर के जेठा खाचर

४. निर्मानिता — गुण : २ ☐

(१) ☐ चांदी की पालकी लाए

(२) ☐ यह तो चिथड़ों में लिपटा हुआ रत्न है

(३) ☐ संतों को मिष्ठान्न का भोजन कराया

(४) ☐ बाइबल विषय पर बातें की

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - ६		नाम

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **नागर भाविक का परिवर्तन :** गढ़डा के एक गरासिया भक्त को मान अत्यन्त प्रिय था। रसोई करते समय यदि किसी व्यंजन के स्वाद में कमी रह जाती, तो वह महाशय पतीली फेंककर घर में कलह करते थे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **जूनागढ़ में मंदिर निर्माण का प्रारंम्भ :** मांगरोल के जीवाभाई दरबार ने गढ़डा में मंदिर बनाने के लिए अपना भवन और अपनी जमीन स्वामी को अर्पण कर दी थी।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **सेवावृत्ति :** नित्यानंद स्वामी को स्वामी के प्रति अत्यधिक लगाव था, इसलिए जहाँ कहीं स्वामी की मर्जी का थोड़ा भी उल्लंघन होता था, तो उन्हें अच्छा नहीं लगता था।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **अहमदाबाद में सम्मान :** इस प्रकार कोठारी महाराज का संकल्प पूरा करके, उन्हें माला प्रदान की और उसके पश्चात् भगतजी वांसदा पधारे। पोषी पूर्णिमा का उत्सव भगतजीने वांसदा में मनाया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **देह का अनादर :** संवत् १८८० के वर्ष में जीवा खाचर के चाचा अलैया खाचर का देहावसान हो गया। परिणामस्वरूप उनके श्राध्ध-तर्पण आदि के निमित्त मंदिर में प्रतिदिन जलेबी, हलुआ आदि व्यंजन तैयार किए जाते थे।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **मैं आप में निरंतर रहता हूँ :** आचार्य ने अपनी बीमारी के समय गोपालानंद स्वामी को तीन महीने तक अपने पास रखा और उन्हें अपना सुख प्रदान किया। उसके पश्यात् उन्होंने स्वयं गढ़डा जाने का संकल्प किया।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**